

**SUBJECT.**—Scheme for the licensing of Indian Cotton textiles for export to Benelux (Belgium, Netherlands, and Luxembourg) countries during the licensing year 1972-73.

**No. PN(BENELUX COUNTRIES LICENSING)/1 OF 1972.**—1. The Scheme relates to the export of all varieties of millmade cotton textiles excluding cotton yarn from India to Benelux (Belgium, Netherlands and Luxembourg) countries, during the licensing year 1st October, 1972 to 30th September, 1973.

2. Licences under the Scheme shall be issued by the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay, on the basis of quota certificates issued by The Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay on first-come-first-served basis. The quota certificates will be issued on presentation by the exporter of firm contracts and a proforma invoice indicating, alongwith other details, the net weight in kgs. of the goods in the Form prescribed by Texprocil for the purpose.

3. For the purpose of exports and issuance of quotas/licences, cotton textiles have been divided into the following two groups:

**Group I:—**

Cotton fabrics, grey or bleached mercerised or not.

Group I covers items classified under categories B, B1, B2, B3, B4, B5, B6, B7, B8, C and C1.

**Group II:—**

Other cotton fabrics, made-up articles and miscellaneous articles of cotton:

Group II covers items falling under categories C2, C3, C4, C5, C6, C7, D, D1, D2, D3, D4, E, E1, E2, E3, E4, E5, E6; E7; E8; E9; E10; E11; F, F1, F2, F3, F4.

Details of the items falling under above categories are available with The Texprocil in the form of standardised categories and items falling under the same.

4. According to the agreement, imports of cotton textiles into BENELUX countries will be admitted by the competent authorities in the BENELUX countries only on presentation of the Green Certificates issued by The Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay, on the basis of which the BENELUX authorities would issue import licences.

5. Licences shall be valid for shipment from any port in India.

6. Licences and quotas shall not be transferable without the express consent in writing of the E.E.C. and Austria Textiles Licensing Advisory Committee.

7. A non-refundable charge of Rs. 2.50 per ton will be levied by The Cotton Textiles Export Promotion Council, for the issue of quotas, subject to a minimum of Rs. 2.50.

8. All quota holders shall have to submit monthly report to The Cotton Textiles Export Promotion Council giving details of the shipments against individual licences issued to them. These statements should reach the Council by the 10th of the subsequent month.

9. The E.E.C.—Austria Textiles Licensing Advisory Committee shall (a) supervise the entire scheme (b) keep a watch over the performance from time to time (c) interpret and give decisions on various matters arising out of the operation of the scheme and (d) make such changes in that scheme as the Committee deems fit from time to time. The licensing Committee shall be empowered to frame rules and regulations from time to time, *inter-alia*, providing for the conditions to be complied with by an applicant before he would be entitled to quotas. It shall also have the right to withhold or cancel quotas and reject applications for quotas without assigning any reasons.

10. The address of the Cotton Textiles Export Promotion Council is as follows:

“ENGINEERING CENTRE”, 5th floor, 9, Mathew Road, BOMBAY-4.

**विषय .**—लाइसेंस वर्ष 1972-73 के दौरान भारतीय सूती वस्त्रों का बेनिलक्स (बेल्जियम, नीदरलैंड्स तथा लक्समबर्ग) देशों को निर्यात के लिये लाइसेंस देने से सम्बन्धित योजना ।

संख्या पी एन (बेनिलक्स देश लाइसेंसिंग) 1, 1972—1. लाइसेंस वर्ष 1 अक्टूबर, 1972 से 30 सितम्बर, 1973 तक सूती धागे को छाड़कर सभी प्रकार के मिल निमित्त सूती वस्त्रों का भारत से बेनिलक्स (बेल्जियम, नीदरलैंड्स तथा लक्समबर्ग) देशों को निर्यात करने से यह योजना संबंध रखती है ।

2. इस योजना के अन्तर्गत लाइसेंस संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, बम्बई द्वारा सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद, बम्बई से जारी किये गये कोटा प्रमाण-पत्र के आधार पर पहले आये सो पहले पाए के आधार पर जारी किये जाएंगे । नियंत्रकों द्वारा फर्म सन्निदाओं और अन्य व्योरे के साथ टेक्सप्रोसिल द्वारा निर्धारित प्रपत्र में माल का किलो ग्राम में वास्तविक वजन दर्शाते हुए एक बीजक प्रपत्र प्रस्तुत करने पर कोटा प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा ।

3. निर्यातों और कोटे / लाइसेंसों को जारी करने के लिये सूती वस्त्रों को निम्नलिखित वर्गों में विभक्त किया गया है :—

वर्ग 1 सूती वस्त्र, भूरे या विरंजित रेशमी सा बनाया हुआ या बिना विरंजित रेशमी सा बना हुआ । वर्ग 1 में नीचे लिखी श्रेणियों के अन्तर्गत वर्गीकृत मदें आती हैं :—

बी, बी 1, बी 2, बी 3, बी 4, बी 5, बी 6, बी 7, बी 8, सी और सी 1 ।

वर्ग 2:— अन्य सूती वस्त्र, तैयार समायी और सूत की विविध सामग्रि :—

वर्ग 2 नीचे लिखि श्रेणियों के अन्तर्गत आने वाली मदें आती हैं :—

सी 2, सी 3, सी 4, सी 5, सी 6, सी 7, डी, डी 1, डी 2, डी 3, डी 4, ई, ई 1, ई 2, ई 3, ई 4, ई 5, ई 6, ई 7, ई 8, ई 9, ई 10, ई 11, एफ, एफ 1, एफ 2, एफ 3 और एफ 4 ।

उपर्युक्त श्रेणियों के अन्तर्गत आने वाली मदों का विवरण वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद के यहां मानकीकृत वर्गीकरण के रूप में और उनके अन्तर्गत आने वाली मदों के रूप में उपलब्ध है ।

4. करार के अनुसार, बेनिलक्स में सूती वस्त्रों के आयात की अनुमति केवल सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद, बम्बई द्वारा जारी किये गये ग्रीन सर्टिफिकेट के प्रस्तुतीकरण पर ही बेनिलक्स के समर्थ प्राधिकारियों द्वारा दी जाएगी, जिस के आधार पर बेनिलक्स के प्राधिकारी आयात लाइसेंस जारी करेंगे ।

5. लाइसेंस भारत के किसी भी पत्तन से पोतलदान के लिये वैध होंगे ।

6. ई० ई० सी और अस्ट्रिया वस्त्र लाइसेंस सलाहकार समिति की लिखित रूप में स्पष्ट स्वीकृति के बिना लाइसेंस और कोटा हस्तान्तरणीय नहीं होंगे ।

7. कोटा जारी करने के लिये सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा प्रति टन 2.5 रुपये के हिसाब से एक आदेय शुल्क वसूला जाएगा। इसकी न्यूनतम राशि 2.50 रुपये होगी।

8. सभी कोटाधारी जिनको व्यक्तिगत लाइसेंस जारी किये गये हैं, उसके लिये उन्हें पोतलदान का विवरण देते हुए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद को एक मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी पड़ेगी। ये व्यौरा परिषद के पास अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक पहुंच जाने चाहिये।

9. ई०ई० सी आस्ट्रिया वस्त्र सलाहकार समिति के ये कार्य होंगे— (क) सम्पूर्ण योजना का पर्यवेक्षण, करना, (ख) समय-समय पर कार्य पालन की निगरानी रखना (ग) योजना के परिचालन में सम्बन्धित उत्पन्न विभिन्न मामलों का विवेचन करना और निर्णय देना तथा (घ) योजना में समय-समय पर ऐसे परिवर्तन करना जिसे समिति उपयुक्त समझे। कोटा प्राप्त करने के लिये पात्र बनने से पहले की शर्तों का आवेदक से पालन कराने के साथ-साथ लाइसेंस समिति समय-समय पर नियम तथा विनियम बनाने के लिये भी अधिकृत है। उसे यह भी अधिकार होगा कि वह कोटा को रोक ले या उसे रद्द कर दे और बिना किसी कारण के समनुदेशित किये हो कोटा के लिये दिये गए आवेदन पत्र को रद्द कर दे।

10. सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद का पता निम्नलिखित है :—

“इंजीनियरिंग सेन्टर, 5 वीं मंजिल, 9 मैथ्यू रोड, बम्बई-4,

**SUBJECT.**—*Scheme for the licensing of Indian Cotton Textiles for export to Italy during the licensing year 1972-73.*

**No. PN(ITALY LICENSING)/1 of 1972.**—1. The Scheme relates to export of all varieties of mill-made cotton textiles excluding cotton yarn from India to Italy during the licensing year October 1972 to 30th September, 1973.

2. Licences under the scheme shall be issued by the Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, Bombay, on the basis of quota certificates issued by The Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay, on first-come-first-served basis. The quota certificate will be issued on presentation by the exporters of firm contracts and a proforma invoice indicating, along with other details, the net weight in kilograms of the goods in the Form prescribed by Texprocil for the purpose.

3 For the purpose of exports and issuance of quotas/licences, cotton textiles have been divided into the following two groups:—

*Group I:—*

Cotton fabrics, grey or bleached mercerised or not.

Group I covers items classified under categories B, B1, B2, B3, B4, B5, B6, B7, B8, C, C1.

*Group II:—*

Other cotton fabrics, made-up articles and miscellaneous articles of cotton.

Group II covers items falling under categories C2, C3, C4, C5, C6, C7, D, D1, D2, D3, D4, E, E1, E2, E3, E4, E5, E6, E7, E8, E9, E10, E11, F, F1, F2, F3, and F4.

Details of the items falling under the above categories are available with the Texprocil in the form of standardised categories and items falling under the same.